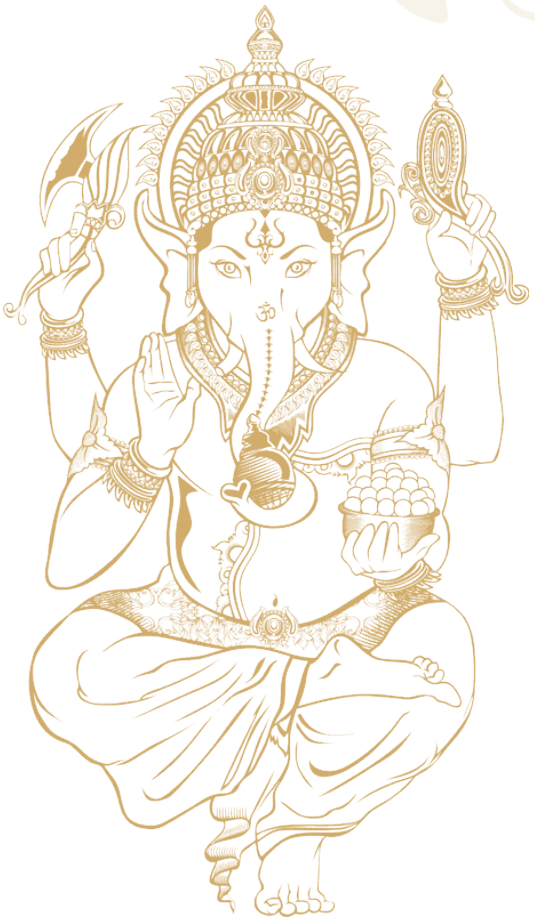

17 Oct 1993

11:25 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121069802

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**17/10/1993**
दिन	रविवार
जन्म समय	**23:25:00 घंटे**
इष्ट	42:34:26 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	23:03:52 घंटे
वेलान्तर	00:14:37 घंटे
साम्पातिक काल	00:48:50 घंटे
सूर्योदय	06:23:13 घंटे
सूर्यास्त	17:49:32 घंटे
दिनमान	11:26:19 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	00:36:10 तुला
लग्न के अंश	29:03:09 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**विशाखा - 4**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	आयुष्मान
करण	गर
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	तो-तोरल
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	29:03:09	309:13:13	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	सूर्य	---
सूर्य			तुला	00:36:10	00:59:35	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	नीच राशि
चंद्र			वृश्चि	02:17:51	14:37:41	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	नीच राशि
मंगल			तुला	20:21:38	00:41:41	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	सम राशि
बुध			तुला	25:05:42	00:47:27	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	मित्र राशि
गुरु		अ	तुला	01:07:52	00:13:03	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	शत्रु राशि
शुक्र			कन्या	08:22:48	01:14:25	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	नीच राशि
शनि	व		मक	29:57:05	00:01:04	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	स्वराशि
राहु	व		वृश्चि	09:46:24	00:00:50	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	शत्रु राशि
केतु	व		वृष	09:46:24	00:00:50	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	सम राशि
हर्ष			धनु	24:37:39	00:01:02	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	---
नेप			धनु	24:41:14	00:00:35	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	00:27:13	00:02:09	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	चंद्र	---
दशम भाव			मीन	19:29:48	--	रेवती	--	27	गुरु	बुध	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:46:28

लग्न-चलित

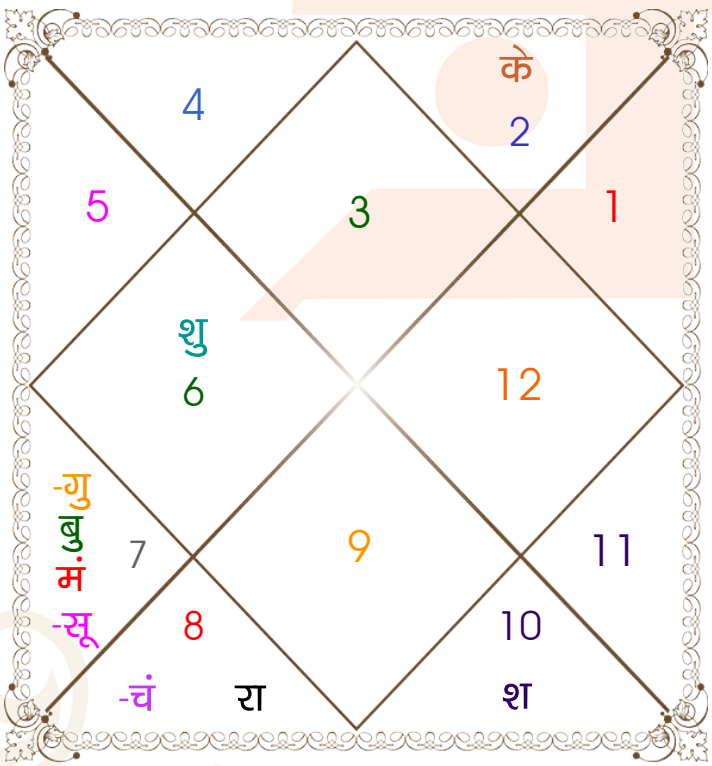

चन्द्र कुंडली

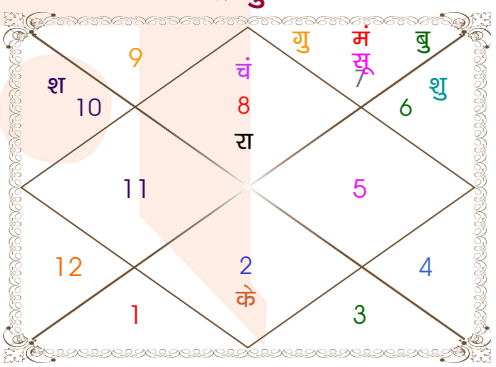

नवमांश कुंडली

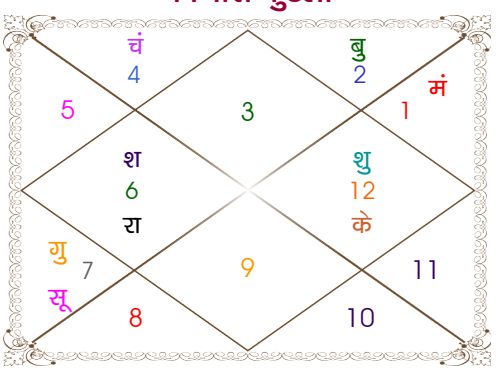

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 1 वर्ष 2 मास 27 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
17/10/1993		14/01/1995		14/01/2014		14/01/2031		14/01/2038	
14/01/1995		14/01/2014		14/01/2031		14/01/2038		14/01/2058	
	00/00/0000	शनि	17/01/1998	बुध	12/06/2016	केतु	13/06/2031	शुक्र	16/05/2041
	00/00/0000	बुध	26/09/2000	केतु	09/06/2017	शुक्र	12/08/2032	सूर्य	16/05/2042
	00/00/0000	केतु	05/11/2001	शुक्र	09/04/2020	सूर्य	18/12/2032	चंद्र	15/01/2044
	00/00/0000	शुक्र	05/01/2005	सूर्य	13/02/2021	चंद्र	19/07/2033	मंगल	16/03/2045
	00/00/0000	सूर्य	18/12/2005	चंद्र	16/07/2022	मंगल	15/12/2033	राहु	16/03/2048
	00/00/0000	चंद्र	19/07/2007	मंगल	13/07/2023	राहु	02/01/2035	गुरु	15/11/2050
	00/00/0000	मंगल	27/08/2008	राहु	29/01/2026	गुरु	09/12/2035	शनि	14/01/2054
	17/10/1993	राहु	04/07/2011	गुरु	06/05/2028	शनि	17/01/2037	बुध	14/11/2056
राहु	14/01/1995	गुरु	14/01/2014	शनि	14/01/2031	बुध	14/01/2038	केतु	14/01/2058

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
14/01/2058		15/01/2064		14/01/2074		14/01/2081		14/01/2099	
15/01/2064		14/01/2074		14/01/2081		14/01/2099		18/10/2113	
सूर्य	04/05/2058	चंद्र	14/11/2064	मंगल	12/06/2074	राहु	27/09/2083	गुरु	05/03/2101
चंद्र	02/11/2058	मंगल	15/06/2065	राहु	01/07/2075	गुरु	20/02/2086	शनि	16/09/2103
मंगल	10/03/2059	राहु	15/12/2066	गुरु	06/06/2076	शनि	27/12/2088	बुध	22/12/2105
राहु	02/02/2060	गुरु	15/04/2068	शनि	16/07/2077	बुध	16/07/2091	केतु	28/11/2106
गुरु	20/11/2060	शनि	14/11/2069	बुध	13/07/2078	केतु	03/08/2092	शुक्र	29/07/2109
शनि	02/11/2061	बुध	16/04/2071	केतु	09/12/2078	शुक्र	03/08/2095	सूर्य	17/05/2110
बुध	09/09/2062	केतु	15/11/2071	शुक्र	08/02/2080	सूर्य	27/06/2096	चंद्र	16/09/2111
केतु	14/01/2063	शुक्र	16/07/2073	सूर्य	15/06/2080	चंद्र	27/12/2097	मंगल	22/08/2112
शुक्र	15/01/2064	सूर्य	14/01/2074	चंद्र	14/01/2081	मंगल	14/01/2099	राहु	18/10/2113

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 1 वर्ष 3 मा 2 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुनर्वसु नक्षत्र के तृतीय चरण में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षीतिज पर मिथुन लग्नोदय काल मिथुन राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इस प्रकार आपका जन्म लग्न वर्गोत्तम की श्रेणी में आवद्ध होकर आपके सर्वोतम जीवन को सुनिश्चित करता है।

आप उत्कृष्ट प्राणी समूह के चयनित अद्वितीय सौभाग्यशाली व्यक्ति हैं। आप आरामदाय, मधुर एवं संपन्न जीवन का आनंद प्राप्त कर सकेंगे। आप सामाजिक समर्पित एवं कल्याणकारी हैं। आप गरीब एवं जरूरत मंद लोगों की सहायता कर सकते हैं। आपका जन्म लग्न इस बात को सुनिश्चित करता है कि आप अगले जन्म में भी पूर्ण सुविधा संपन्न एवं महान भाग्यशाली व्यक्ति होंगे।

आप में अतिशय महत्वाकांक्षा नहीं है। आपको जो कुछ भी प्राप्त होता है, उससे ही संतुष्ट हो जाते है। आप अन्य लोगों की तरह विलाप करने वाले नहीं हैं। आपको अपने परिश्रम का जो भी परिणाम प्राप्त होता है उससे अधिक की अपेक्षा नहीं करते। जो आपके मस्तिष्क को शांति प्रदान करता हैं तथापि कोई संदेह नही कि आप धन प्राप्ति हेतु कुछ भी कार्य-व्यवसाय करते हैं। आप कुशग्र बुद्धि के चालाक प्राणी हैं। आप अच्छे और बुरे का भेद जानने में सक्षम हैं। आप इच्छानुसार ठीक प्रकार से निश्चितता पूर्वक अच्छी आय का लाभांश प्राप्त करने के लिए समर्पित भाव से कार्य करेंगे।

मुख्यतः आपके जीवन की 25 वें वर्ष की आयु के पश्चात् धनी हो जाएंगे। तब से आपका सवर्णिम काल प्रारंभ होगा।

परंतु मिथुन के प्रभाव से आप समयानुसार अपना व्यवसाय तथा पेशा प्रारंभ हेतु प्रवृत हो सकते हैं। इसलिए यदि आप अनिश्चित लाभ प्राप्त हेतु समय या साधन का दुरुपयोग करेंगे वह अकारण ही बर्वाद हो जाएगा। आप इस प्रकार के विचार पर नियंत्रण रखें तथा अपनी मनोवृत्ति के अनुसार व्यवसाय की तलाश अथवा निश्चितता हेतु दृढ़ निश्चयात्मक प्रवृत्ति का सदुपयोग करे।

आपके लिए उत्तम एवं उपयुक्त व्यवसाय, पत्रकारिता, पुस्तक प्रकाशन, वकालत अध्यापन कार्य, ज्योतिषीय कार्य तथा किसी धार्मिक संगठन के प्रधान पद पर नियोजित होकर, लाभ प्राप्त करेंगे।

आप में निःसंदेह यह गुण विद्यमान है कि आप कई कार्यों को एक ही समय पर संपादन कर सकते हैं। परंतु निश्चित समय पर किसी एक ही कार्य का संपादन करें। परंतु उत्तम तो यह है कि आप एक निश्चित कार्य की ओर परिवर्तित होकर एक समय में एक ही कार्य में संलग्न हो जाएं।

आप चतुर, तीक्ष्ण बुद्धि के प्रतिभा संपन्न हैं। आप आकस्मिक घटनाओं के संबंध में सकारात्मक प्रतिक्रिया पर निर्भर हो सकते हैं। इस प्रकार अनेक व्यक्ति परिस्थितिवश आपके

पास पहुंच कर, आपका निर्देश प्राप्त करने के लिए आप पर दबाव डाल कर किस प्रकार लाभ प्राप्त हो ऐसी राय आप से लेगा।

आप लंबे, दुबले आकृति के, पैनी दृष्टि से युक्त एवं अति प्रसिद्ध व्यक्ति हैं। आप विपरीत योनि के प्रति बहुचर्चित होकर संबंधित स्त्रियों के साथ वासनात्मक व्यभिचारिक संबंध रखेंगे।

आप ऐसा नही चाहेंगे कि आपका पारिवारिक जीवन अस्त-व्यस्त हो जाए। अतः आपको इस मनोवृत्ति को त्यागना होगा।

जबकि आप अपनी पत्नी एवं संतान को प्यार करते हैं तथा आपको प्रसन्नतम गृह व्यवस्था उपलब्ध है फिर घर से बाहर वासानात्मक संतुष्टि क्यों चाहते हो। आपका स्वास्थ्य उत्तम एवं पूर्ण अनुकूल रहेगा। परंतु आपको संभवित रोगादि के प्रति रक्षात्मक प्रक्रिया प्रारंभ करनी होगी ताकि अधिक आयु में कर्ण समस्या उदर की प्रतिकूलता तपेदिक रोग तथा श्वासनली की गड़बड़ी एवं संबंधित रोगादि से पीड़ित न हों।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए अंक 3 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली है। इसके अतिरिक्त दो अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं है।

आप सफेद रंग के प्रति आकर्षित रहते हैं। परंतु सुंदर एवं उन्नति कारक रंग गुलाबी हरा, नीला, पीला एवं बैगनी रंग है। रंग काला एवं लाल रंग त्यागनीय है।